दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३०६ वा | शनिवार ७ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बकरीद: किसानों और पशुपालकों के लिए एक तोहफा, भारत और महाराष्ट्र में अरबों का टर्नओवर

मूबंई (दैनिक तामीर विशेष)

बकरीद, जिसे ईद-उल-अज़हा भी कहा जाता है, इस्लामी कैलेंडर के आखिरी महीने ज़िलहिज्जा की १०वीं तारीख को मनाया जाता है। यह त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि आर्थिक रूप से भी भारत के किसानों और पशुपालकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होता है। इस रिपोर्ट में हम बकरीद के अवसर पर भारत और खास तौर पर महाराष्ट्र में होने वाले अरबों रुपये के कारोबार और इसके आर्थिक प्रभावों का आंकड़ों की रोशनी में जायजा लेंगे।

भारत में ये ईद ७ जुन को मनाई जाएगी

किसानों और पशुपालकों के लिए अवसर

बकरीद का त्योहार किसानों और पशुपालकों के लिए एक बड़ा आर्थिक अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर बकरों, भेड़ों और अन्य पशुओं की मांग में जबरदस्त इजाफा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसान और पालक अपने जानवरों को मंडियों में ले जाते हैं, जहां उनकी कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जाती है।

आंकड़ों की रोशनी में बकरीद का असर

देशव्यापी मांग: भारत में हर साल लगभग १.५ से २ करोड़ बकरों और भेड़ों की कुर्बानी होती है।

कीमतों में इजाफा: आम दिनों में एक बकरे की कीमत ८,००० से १५,००० तक होती है, जबकि बकरीद पर यह १५,००० से १.५ लाख तक पहुंच जाती है।

प्रमुख मंडियां: उत्तर भारत की जसवंत

नगर (णझ), कालपी (चझ), महुआ और अलवर (राजस्थान), मेवात (हरियाणा) जैसी मंडियां प्रमुख हैं।

महाराष्ट्र में बकरीद का आर्थिक प्रभाव

महाराष्ट्र बकरीद के समय एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र बन जाता है। मुंबई, पुणे, नागपुर और नासिक जैसे शहरों की मंडियों में बकरों की कीमत १५,००० से १.५ लाख तक होती है।

बिक्री का अनुमान: राज्य में १० से १५ लाख बकरों की बिक्री होती है।

टर्नओवर: अनुमानित टर्नओवर २,००० से ३,००० करोड़ तक होता है।

रोजगार: किसान, ट्रांसपोर्टर, चारा विक्रेता और पशु देखरेख करने वाले श्रमिकों को रोजगार मिलता है।

सरकारी योजनाएं और सब्सिडी

राष्ट्रीय पशुधन मिशन: बकरी पालन के लिए वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण।

महाराष्ट्र में विशेष पैकेज: चारा, टीकाकरण और पशु चिकित्सा सेवाओं पर सब्सिडी।

सब्सिडी दरें: सामान्य किसानों को ३५% और पिछड़े वर्गों को ६०% तक की सब्सिडी।

हालिया चुनौतियां और विवाद

महाराष्ट्र सरकार ने कुछ स्थानों पर पशु बाजारों पर नियंत्रण लगाया है, जिससे किसानों में नाराजगी है। प्रकाश अंबेडकर ने इस फैसले का विरोध किया है और इसे चुनौती देने की बात कही है।

पशुओं की खास देखरेख

भोपाल जैसी जगहों पर बकरों को दूध, मक्खन, चना जैसे पोषणयुक्त आहार दिए जाते हैं जिससे उनकी कीमत १ से १.५ लाख तक होती है।

निष्कर्ष

बकरीद सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि भारत और महाराष्ट्र के किसानों के लिए आर्थिक वरदान है। अरबों रुपये का कारोबार, सरकारी सहायता और व्यापक रोजगार इसे खास बनाते हैं। हालांकि, बाजार की बंदिशें और नियमों से जुड़ी चुनौतियों से पार पाना जरूरी है ताकि यह परंपरा और व्यापार दोनों फल-फूल सकें।

कॉन्ट्रैक्टर नईम सिद्दीकी का इंतकाल

बीड़ (संवाददाता):

क़िला मैदान बीड़ के साकिन नईमुद्दीन सिद्दीकी कॉन्ट्रैक्टर पुत्र मुनीरुद्दीन सिद्दीकी का ६ जून की सुबह इंतकाल हो गया। उनकी उम्र ६० साल थी। मरहूम की नमाज़-ए-जनाज़ा रात ९ बजे टकिया मस्जिद अहाते में अदा की गई और तदफीन भी मुत्तसिल क़ब्रिस्तान में अमल में आई।

नईम सिद्दीकी, 'सपना ट्रैवेल्स' के मालिक फ़हीम सिद्दीकी और हाफ़िज़ जुबैर सिद्दीकी के बड़े भाई और मुज़म्मिल सिद्दीकी व मुदस्सिर सिद्दीकी के वालिद थे, जब कि उनके छोटे भाई अज़ीम सिद्दीकी फ़र्ज़-ए-हज की अदायगी के लिए मक्का में हैं।

मरहूम इंतिहाई नेक, मिलनसार और नमाज़-रोज़े के पाबंद थे। अल्लाह से दुआ है कि वह मरहूम को जन्नतुल फिरदौस में आला मुक़ाम अता फ़रमाए और पसमानदगान को सब्र-ए-जमील दे।

इदारा तामीर, सिद्दीकी फ़ैमिली के ग़म में बराबर का शरीक है।

योगी आदित्यनाथ द्वारा शिवाजी महाराज का अपमान, झूठा प्रचार और जिरेटोपी पहनकर किया गया अनादर-हर्षवर्धन सपकाळ

ज़मीर काज़ी की रिपोर्ट । मुंबई, ६ जून

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यह झूठा प्रचार किया जा रहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु रामदास स्वामी थे, जबकि यह ऐतिहासिक रूप से असत्य है। इतना ही नहीं, योगी ने हाल ही में शिवाजी महाराज की जिरेटोपी पहनकर उनका अपमान भी किया है। इस पवित्र जिरेटोपी का ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन भाजपा के नेता बार-बार यह टोप पहनकर महाराज का अपमान कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऐसी ही जिरेटोपी पहनकर शिवप्रेमियों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी।

यह तीव्र प्रतिक्रिया कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में व्यक्त की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी को शिवप्रेमियों से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि हिंदवी स्वराज्य की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज ने सभी जातियों और धर्मों को समान अधिकार दिए थे। वही समावेशी विचार आज हमारे संविधान में भी निहित है। लेकिन आज महाराज के राज्याभिषेक का विरोध करने वाली मानसिकता फिर से महाराष्ट्र में सक्रिय हो रही है, और ये प्रवृत्तियाँ भाजपा शासन में खुलकर सामने आ रही हैं।

सपकाळ ने कहा कि पुणे की शिवसृष्टि में एक व्यक्ति कुलकर्णी ने अशोभनीय हरकत करते हुए लघुशंका की, और उसकी पत्नी ने इस कृत्य का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कुलकर्णी कोई और नहीं, अफ़ज़ल खान के वकील भास्कर कुलकर्णी की औलाद है। उन्होंने कहा कि यही लोग सावित्रीबाई फुले का विरोध, तुकाराम की गाथा को डुबोने और काला राम मंदिर में प्रवेश रोकने जैसे कृत्य करते आए हैं, और आज भी महाराष्ट्र को नुकसान पहुंचाने में लगे हैं।

उन्होंने सवाल किया कि शिवाजी और संभाजी महाराज के प्रति विष उगलने वाले कोरटकर, सोलापुरकर और कुलकर्णी जैसे लोगों पर कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती? भाजपा के शासन में इन तत्वों को समर्थन, सुरक्षा और यहां तक कि पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है - जो अत्यंत निंदनीय है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सपकाळ ने कहा कि ब्राह्मण समाज ही महाराष्ट्र धर्म को मजबूत कर रहा है - यह सोच एकांगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र के विकास में सभी १८ पगड जातियों का योगदान है। सिर्फ एक जाति की नहीं, बल्कि सभी जाति-धर्म के लोगों की साझेदारी ने महाराष्ट्र को मजबूत बनाया है।

सपकाळ ने योगी आदित्यनाथ को फटकारते हुए कहा कि वे झूठा इतिहास गढ़कर और प्रतीकों का अपमान कर जनता को गुमराह न करें। महाराष्ट्र की जनता महाराज का अपमान सहन नहीं करेगी।

ईद-उल-अज़हा के अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जनता को शुभकामनाएं

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि):

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य के नागरिकों को 'ईद-उल-अज़हा' यानी 'बकरी ईद' की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने समाज में आपसी एकता, सद्भाव और सौहार्द को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया है।

अपने शुभकामना संदेश में अजित पवार ने कहा, त्याग, आस्था और समर्पण जैसे महान मूल्यों की प्रेरणा देने वाला 'ईद-उल-अज़हा' का त्योहार समाज में एकता, शांति, भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देने वाला पर्व है। यह त्योहार एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करता है तथा समाज के वंचित, जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों के प्रति हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। उन्होंने इस पवित्र पर्व के अवसर पर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और आनंद की कामना व्यक्त की।

छुट्टी की सुचना

ईद उल अजहा के सबब कल ८ जून को अखबार को छुट्टी रहेगी

-संपादक

महाराष्ट्र जो चाहता है वही होगा-राज को साथ लेने के संकेत उद्धव ठाकरे ने दिए

सुजाता शिंगाडे का 'घरवापसी' ठाकरे गुट में

रिपोर्ट: ज़मीर काज़ी । मुंबई, ६ जून

मुंबई महापालिका सहित राज्य की स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। इसी बीच शिवसेना (ठाकरे गुट) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के एक साथ आने की अटकलों को बल मिला है। शुक्रवार को उद्धव ठाकरे ने इस मुद्दे पर स्पष्ट संकेत देते हुए कहा, जो महाराष्ट्र के मन में है, वही होगा। अब संकेत नहीं, सीधी खबर देंगे।

पिछले कुछ दिनों में दोनों पक्षों के नेताओं द्वारा भी कई इशारों में बयान सामने आए हैं। कार्यकर्ता भी अपने-अपने वरिष्ठ नेताओं के निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसी संदर्भ में शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद संजय राऊत ने भी यह संभावना जताई थी कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच फोन पर बातचीत हुई हो सकती है।

इस बीच, ६ महीने पहले एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुईं सुजाता शिंगाडे ने आज दोबारा ठाकरे गुट में वापसी कर ली। यह प्रवेश समारोह उद्धव ठाकरे की उपस्थिति में 'मातोश्री' निवास स्थान पर संपन्न हुआ। इसी मौके पर ठाकरे-मनसे युति की चर्चा भी फिर से तेज हो गई।

जब ठाकरे बंधुओं के एक साथ आने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उद्धव ठाकरे ने कहा,

महाराष्ट्र के मन में जो है, वही होगा। शिवसैनिकों के मन में कोई भ्रम नहीं है। हम संकेत नहीं, सीधी खबर देंगे।

हालांकि उन्होंने अधिक टिप्पणी करने से इनकार किया, लेकिन उनके आत्मविश्वासी हावभाव और सकारात्मक अंदाज़ से यह स्पष्ट था कि वे इस युति को लेकर आशावान हैं।

मनसे के वरिष्ठ नेता संदीप देशपांडे, अमित ठाकरे और अविनाश जाधव पहले ही मनसे-शिवसेना युति को लेकर सकारात्मक बयान दे चुके हैं। राज ठाकरे ने भी कहा था कि महाराष्ट्र के हित के सामने हमारे आपसी मतभेद छोटे हैं।

मनसे नेता अविनाश जाधव ने कहा था, अगर लगता है कि आगे कदम उठाने चाहिए तो उद्धव साहेब को राज साहेब को फोन करना चाहिए और प्रस्ताव देना चाहिए, हम तैयार हैं।

वहीं, राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे ने कहा था, अगर दोनों भाई साथ आते हैं तो मुझे कोई आपत्ति नहीं, लेकिन उन्हें खुद एक-दूसरे से बात करनी चाहिए। दोनों के पास एक-दूसरे का नंबर है, निर्णय उन्हें ही लेना है।

मुख्यमंत्री फडणवीस का जवाब - यह उनका निजी निर्णय है

गडचिरोली जिले के दौरे पर पहुंचे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जब इस संभावित युति पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने सीधे तौर पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए कहा,

यह दोनों का व्यक्तिगत निर्णय है। एक को प्रस्ताव देना है, दूसरे को तय करना है कि साथ आना है या नहीं। इसमें मैं क्या बोलूं?

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

एलोन मस्क की स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने का लाइसेंस, १५ दिनों में शुरू होगा ट्रायल

नई दिल्ली, ६ जून २०२५

एलोन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (ऊेढ) से ऋच्चझउड (ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट) लाइसेंस मिल गया है। इस मंजूरी के साथ स्टारलिंक अब भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने वाली तीसरी कंपनी बन गई है। इससे पहले एींशश्रीरीं जपशथशल और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस को यह अनुमति मिल चुकी है।

ऊेढ ने ७ मई २०२५ को स्टारलिंक को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया था, जिसके तहत कंपनी को भारत में स्थानीय डेटा स्टोरेज, इंटरसेप्शन सिस्टम और कमांड सेंटर स्थापित करने जैसी सख्त शर्तों का पालन करना होगा। आने वाले १५-२० दिनों में स्टारलिंक को ट्रायल स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वह तकनीकी परीक्षण कर सकेगी।

स्टारलिंक की लो अर्थ ऑर्बिट (ङएज) सैटेलाइट्स ५० से २५० एमबीपीएस की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा देंगी, जो विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में उपयोगी साबित होंगी। कंपनी की योजना २०२७ तक ४२,००० सैटेलाइट्स लॉन्च करने की है।

रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के साथ हुई साझेदारी के तहत, स्टारलिंक के उपकरण जैसे सैटेलाइट डिश और वाई-फाई राउटर देशभर में उपलब्ध कराए जाएंगे। डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सैटेलाइट ब्रॉडबैंड बाजार २०३० तक १.९ बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

हालांकि, सेवा की व्यावसायिक शुरुआत में ६ से ९ महीने लग सकते हैं, क्योंकि स्टारलिंक को तीन ग्राउंड गेटवे बनाना है और खछ-डझ-उश से अंतिम मंजूरी लेनी है।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा, सैटेलाइट इंटरनेट, दूरसंचार के गुलदस्ते में एक और फूल है, जो देश के दूरदराज क्षेत्रों में डिजिटल क्रांति लाएगा।

दिवाली से पहले पूरी करें घरकुल योजना का लक्ष्य, वरना नहीं मिलेगा फंड - मंत्री पंकजा मुंडे का निर्देश

'दिवाली नए घर में' कार्यशाला का परली में भव्य उद्घाटन

परली वैजनाथ, ६ जून:

हर व्यक्ति के सिर पर अपना घर होना बहुत बड़ी बात है। गरीबी सबसे बड़ी पीड़ा है और इस पीड़ा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भलीभांति समझते हैं। इसी कारण उन्होंने देशभर में सबको पक्का घर देने के लिए घरकुल योजना की शुरुआत की है। बीड जिले के परली और अंबाजोगाई तालुकों में घरकुल योजना के शेष लक्ष्य को दिवाली से पहले पूरा कर, लाभार्थियों को घर की चाबी सौंप दी जाए – ऐसे निर्देश राज्य की पर्यावरण और पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने आज परली में दिए।

परली शहर के नटराज रंगमंदिर में परली व अंबाजोगाई पंचायत समिति तथा ग्रामविकास और पंचायत राज विभाग की ओर से दिवाली नए घर में उपक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विधायक धनंजय मुंडे, जिलाधिकारी विवेक जॉनसन, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य जीवने, उपविभागीय अधिकारी अरविंद लाठकर, गटविकास अधिकारी संजय केंद्रे, समृद्धि दिवाणे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस कार्यशाला में घरकुल योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी विभिन्न स्तर की चुनौतियों पर चर्चा की गई। मंत्री पंकजा मुंडे ने अधिकारियों को सजग और संवेदनशील होकर काम करने का निर्देश देते हुए कहा कि रोजगार हमी योजना (रोहयो), महसूल विभाग और ग्रामविकास विभाग को आपसी समन्वय से काम करना चाहिए, ताकि दिवाली से पहले हर लाभार्थी को उसका पक्का घर मिल सके।

दिवाली से पहले हर हाथ में घर की चाबी दें – पंकजा मुंडे

मंत्री पंकजा मुंडे ने अपने संबोधन में कहा कि जब वह ग्रामविकास मंत्री थीं, तब घरकुल योजना के तहत व्यापक कार्य हुआ था। उस समय शिर्डी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों तीन लाख घरों की चाबियाँ वितरित की गई थीं। गरीबों की समस्याएं प्रधानमंत्री मोदी समझते हैं, इसलिए यह योजना पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीड जिला इस योजना में विभागीय स्तर पर पहले स्थान पर है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर १०वें स्थान पर है। यह गर्व की बात है, पर अब भी काफी कार्य बाकी है।

उन्होंने कहा कि दारिद्र्य सबसे बड़ी पीड़ा है और हर व्यक्ति का अपना घर होना जीवन में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में गांव स्तर पर घरकुल का लक्ष्य पूरा करना अनिवार्य है। साथ ही उन्होंने सरपंचों और ग्रामसेवकों को चेताया कि वे लाभार्थियों को परेशान न करें और गलत तरीके से बिल न बनाएं।

फंड रोके जाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी

पंकजा मुंडे ने सख्त लहजे में कहा कि किसानों की कुओं और गौशालाओं के अनुदान की राशि नहीं दी जाती, तो उसका क्या फायदा? रोहयो में कई जगहों पर योजनाएं रोकी जा रही हैं और दबाव बनाकर बिल रोके जा रहे हैं। ऐसी घटनाएं अब बर्दाश्त नहीं होंगी। उन्होंने सीईओ और कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे किसी भी राजनैतिक दबाव में न आएं। यदि कोई ऐसा करता है तो उसका रिकॉर्ड तैयार करें और डिप्टी सीएम अजित पवार को रिपोर्ट करें।

उन्होंने दो टूक कहा कि विधायक और सांसद जनता की सेवा के लिए होते हैं, न कि योजनाओं में अड़चन डालने के लिए। बीड जिले में 'अटकाओ और भटकाओ' की संस्कृति नहीं चलेगी – यह स्पष्ट संदेश भी पंकजा मुंडे ने दिया।

११वीं कक्षा की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया: फॉर्म-२ भरने की अंतिम तिथि ७ जून तक बढ़ाई गई

विशेष प्रतिनिधि । मुंबई, ६ जून

११वीं कक्षा की केंद्रीय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के पहले चरण के लिए आवेदन भरने की अवधि २६ मई से ५ जून २०२५ तक निर्धारित की गई थी। इस अवधि में ५ जून २०२५ तक कुल ११ विद्यार्थियों ने अपना फॉर्म (भाग १ और भाग २) पूर्ण रूप से भरकर सबमिट किया है।

वे विद्यार्थी जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर केवल प्रवेश फॉर्म का भाग १ लॉक किया है, लेकिन भाग २ भरना या लॉक करना बाकी है, उनके लिए ७ जून २०२५ को दोपहर १२:३० बजे तक भाग २ भरने की सुविधा दी गई है। संबंधित छात्रों को सलाह दी गई है कि वे अपने पसंदीदा कॉलेजों का क्रम देकर फॉर्म का भाग २ नियत समय में लॉक करें।

यदि किसी छात्र ने फॉर्म का भाग २ नहीं भरा या लॉक नहीं किया है, तो उसे अस्थायी मेरिट लिस्ट और प्रथम चरण के प्रवेश के लिए विचार में नहीं लिया जाएगा – इस बात की स्पष्ट सूचना दी गई है।

हालांकि, जिन छात्रों ने पहले ही फॉर्म का भाग २ लॉक कर लिया है, उन्हें इस दौरान अपने विकल्प बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जो विद्यार्थी ५ जून २०२५ तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाए हैं, या जिन्होंने फॉर्म का भाग १ अधूरा छोड़ा है, उन्हें हर प्रवेश चरण की शुरुआत में फॉर्म का भाग १ और भाग २ भरने की सुविधा फिर से प्रदान की जाएगी। ऐसे छात्रों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

इस प्रकार, ११वीं प्रवेश प्रक्रिया के फॉर्म-२ भरने के लिए अब अंतिम तिथि ७ जून निर्धारित की गई है।

महायुति सरकार की झूठी घोषणाओं के विरोध में शिवसेना का 'क्या हुआ तेरा वादा' आंदोलन - उल्हास गिराम

बीड़ (प्रतिनिधि):

राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए महायुति सरकार ने चुनाव प्रचार के दौरान झूठी घोषणाओं की बौछार की थी, लेकिन सत्ता में आते ही उन्होंने इन वादों से जानबूझकर मुंह मोड़ लिया। इन झूठी घोषणाओं का हिसाब मांगने के लिए शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) पार्टी की ओर से ५ जून से १२ जून तक 'क्या हुआ तेरा वादा' आंदोलन चलाया जा रहा है। यह जानकारी शिवसेना के जिला प्रमुख उल्हास गिराम ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने कहा कि पिछली विधानसभा चुनाव के प्रचार में महायुति ने किसानों को कर्जमाफी, किसान सम्मान योजना के तहत १५,००० रुपये देने, बहनों की योजना में बढ़ोतरी कर २,१०० रुपये देने, किसानों द्वारा खरीदे गए खाद पर डत्रड्ढ की सब्सिडी लौटाने, वृद्ध पेंशनधारकों को २,१०० रुपये देने, खेती के लिए २४ घंटे बिजली आपूर्ति, फसल को लाभकारी समर्थन मूल्य, बीज और खाद की दरें कम करने जैसी कई घोषणाएं कर किसानों से वोट बटोरे। लेकिन सत्ता में आते ही इन सभी वादों को नजरअंदाज कर दिया गया।

सत्ताधारी तीनों दलों ने तत्काल कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उल्टा सरकार ने ३१ मार्च तक किसानों से बकाया भरने का फरमान सुना दिया। पहले से ही संकट में फंसे किसान आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए। पिछले सात-आठ महीनों में करीब १,००० किसानों ने आत्महत्या की, फिर भी महायुति सरकार मौन साधे बैठी है।

सरकार द्वारा हाल ही में घोषित फसल के समर्थन मूल्य में सोयाबीन का रेट पिछले वर्ष से भी कम रखा गया है, जो किसानों का अपमान है। १ रुपये में दी जाने वाली फसल बीमा योजना भी बंद कर दी गई है, जिससे किसानों पर अन्याय हुआ है।

इन झूठे वादों की याद दिलाने के लिए शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट ने 'क्या हुआ तेरा वादा' आंदोलन की शुरुआत की है। इस आंदोलन के अंतर्गत जिलाधिकारी व तहसीलदार को निवेदन देना, सत्ताधारी विधायकों को वादों की याद दिलाने हेतु ज्ञापन सौंपना, जिला प्रमुख व उपजिल्हा प्रमुखों द्वारा तीन दिनों तक पांच गांवों में बैठक लेकर महायुति की वादाखिलाफी का पर्दाफाश करना, रास्ता रोको जैसे आंदोलन आयोजित किए जाएंगे।

इस आंदोलन में सभी शिवसेना पदाधिकारी, किसान, और आम नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील जिला प्रमुख उल्हास गिराम ने की है।

मानसून से पहले शहर की नाला सफाई और स्वच्छता कार्य पूर्ण करें-सुहास पाटील

बीड (प्रतिनिधि):

हाल ही में बीड में हुई बेमौसम बारिश के कारण नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर की मुख्य सड़कों और गलियों में जगह-जगह पानी जमा हो गया। शिवसंग्राम पार्टी के शहराध्यक्ष सुहास पाटील ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बीड नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि मानसून से पूर्व शहर की नालों की सफाई और स्वच्छता का कार्य तात्कालिक रूप से पूरा किया जाए, ताकि आने वाले मानसून में बीड शहर जलमग्न न हो।

सुहास पाटील ने कहा कि बीड नगर परिषद को चाहिए कि बारिश शुरू होने से पहले ही पूरे शहर में नालों की सफाई युद्धस्तर पर पूरी करे। हाल की बारिश में यह देखा गया कि नदी और नाले एक हो गए और पानी की निकासी नहीं हो पाने से निचले इलाकों में पानी भर गया। महाराष्ट्र में आमतौर पर ७ जून के बाद मानसून का आगमन होता है, इसलिए इससे पहले नगर परिषद को तेज़ी से कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि थोड़ी सी बारिश में ही पानी सड़कों और गरीबों के घरों में घुस जाता है, जिससे पूरे बीड शहर कीचड़ और बदबू से भर जाता है। १५ जून से स्कूल शुरू हो रहे हैं, ऐसे में यदि पहले ही स्वच्छता का कार्य पूरा हो जाए, तो बारिश का पानी सही तरीके से निकलेगा और शहर को 'चिखलबीड' बनने से रोका जा सकेगा। शिवसंग्राम शहराध्यक्ष ने यह सवाल भी उठाया कि क्या नगरपालिका प्रशासन ने नाला सफाई के लिए नियुक्त कर्मचारियों की समीक्षा की है? अगर नहीं, तो तुरंत यह कार्य शुरू किया जाए और जितनी जल्दी हो सके, स्वच्छता और नाला सफाई का कार्य पूरा किया जाए। साथ ही, अगर बारिश के कारण किसी नागरिक के घर में पानी घुसता है और उसे नुकसान होता है, तो नगर परिषद प्रशासन को मुआवज़ा देना चाहिए – ऐसी स्पष्ट मांग सुहास पाटील ने की है।

बीड में बनेगा सहकार संकुल, १४ करोड़ ९८ लाख की प्रशासकीय मंज़ूरी मिली

युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार का जताया आभार

बीड (प्रतिनिधि), ६ जून:

बीड शहर के नगर भू-संपत्ति क्र. १७९९ पर 'सहकार संकुल' इमारत के निर्माण के लिए १४ करोड़ ९८ लाख रुपये के खर्च वाले प्रस्ताव को राज्य सरकार की ओर से बुधवार (दिनांक ४) को प्रशासकीय मंज़ूरी प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने उपमुख्यमंत्री एवं बीड जिले के संपर्क मंत्री अजित दादा पवार का आभार जताया है।

इस परियोजना के तहत जिला उपनिबंधक, सहकारी संस्थाएं एवं अन्य क्षेत्रीय सहकारी कार्यालयों को एक ही छत के नीचे लाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। वर्तमान में बीड का जिला उपनिबंधक कार्यालय जालना रोड स्थित सहकार शक्ति इमारत में किराये पर संचालित है, जिसके लिए हर साल बड़ी मात्रा में शासकीय निधि किराये के रूप में खर्च होती है। इस अनावश्यक खर्च को रोकने और कार्यप्रणाली को अधिक सुसंगठित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सभी सहकारी कार्यालयों को एक ही स्थान पर लाने का निर्णय लिया गया है। नए सहकार संकुल से शासकीय खर्च में कटौती होगी और नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं मिल सकेंगी। कई वर्षों से लंबित इस सहकार संकुल के प्रस्ताव को मंज़ूरी मिलने के बाद क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। डॉ. योगेश क्षीरसागर ने इसे बीड के सहकारी क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है।

ईद कि नमाज़ कब और कहां

जुनी ईदगाह, इस्लामपुरा-	8.00
नवी ईदगाह, बालेपीर-	7.30
तकिया मस्जीद, खासबाग रोड-	7.10
मर्कज मस्जीद, राजुरीवेस-	7.00
जामा मस्जीद, किला मैदान-	7.45
दर्गाह मस्जीद, बालेपीर-	8.30
मस्जिद नुसरत खानखा कौसर चौक	6.20
केजीएन मस्जीद,शहेंशाहनगर-	8.45
कादरिया मस्जीद, बार्शी नाका-	7.00
नमरा मस्जीद,बीड-	6.15
जामा मस्जीद, मोमीनपुरा-	6.30
जकेरिया मस्जीद, मोहंमदिया कॉ.	7.00
कुरेशी मस्जीद, मोमीनपुरा	6.15
काली मस्जीद, इस्लामपुरा,	8.30
मक्का मस्जीद, मोमीनपुरा	6.30
अहेमदिया मस्जीद, बीड मामला	6.20
झारा मस्जीद, अजीजपुरा	7.00
मस्जीद,कादर पाशा जुना बाजार	8.15
बीड मामला मस्जीद, मोमीनपुरा	6.10
हुजरा मस्जीद, मोमीनपुरा	6.30
अरफात मस्जिद, मासुम कॉलनी	6.20
जामीया हसनबीन,शहेंशाहवली रोड	6.25
मदरसा, दारुल उलुम, तेलगाव रोड	6.45
इज्तेमागाह मैदान, मोमीनपुरा बायपास	7.00
मदरसा मजाहेरुल उलूम	7.30
मदिना मस्जीद, मोमीनपुरा	7.15

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com